राजस्थान पत्रिका

Friday, December 4th, 2009

फिल्मों में दर्शाया नि:शक्तों का 'दर्द'

पत्रकारिता व जनसंपर्क के विद्यार्थियों की पहल

कार्यालय संवाददाता

बेंगलूरु, 3 दिसम्बर। नि:शक्तजनों से संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याओं व वर्तमान में सामने आ रहे मुद्दों के प्रति आवाज बुलंद करने के लिए गुरुवार को श्री भगवान महावीर जैन महावीर कॉलेज की ओर से 'फिल्म फेस्टिवल' का आयोजन किया गया। कॉलेज के कम्यूनिटी रेडियो एक्टिव 90.4 मेगाहर्ट्ज तथा पत्रकारिता व जनसंपर्क विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन पैलेस रोड स्थित कॉलेज परिसर में किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर नि:शक्तजन आयोग के प्रदेश आयुक्त दास सूर्यवंशी, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. नाजू वार्के, जेजीआई के चेयरमैन डॉ. चेनराज जैन, एपीडी के निदेशक बसवराज, सामाजिक कार्यकर्ता शांतमा, प्रो. माधवन, पिंकी चंद्रन, प्रबंधक (प्रशिक्षण व विकास) सहित कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए कार्यकर्ता व शहर के विभिन्न कॉलेजों के पत्रकारिता के विद्यार्थी मौजूद थे।

विश्व नि:शक्तजन दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नि:शक्तजनों के दर्द को फिल्मों के जरिए समझाना था। कार्यक्रम में डॉ. वार्के ने कहा कि शारीरिक रूप से अक्षम लोग हमारे लिए मजाक नहीं हैं बल्कि, वे भी साधारण इंसानों की तरह ही प्यार व संबल के अभिलाषी हैं। समाज की मुख्यधारा से कटे इन लोगों का सहयोग करना हमारा दायित्व भी है और मानवता भी। फेस्टिवल की थीम 'एंड जस्टिस फॉर ऑल' रखी गई थी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की ओर से नि:शक्तजनों के मुद्दों को केन्द्र में रखकर बनाई गई विभिन्न फिल्मों को प्रदर्शित किया गया, जिन्होंने सभागार में बैठे तमाम लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया।